AMAR UJALA MY CITY Page 5

राज्य विश्वविद्यालयों में लविवि को प्रदेश में पहला स्थान

माई सिटी रिपोर्टर

स्पेन की संस्था सीएसआईसी ने जारी की वेबोमैट्रिक्स रैंकिंग ऑफ वर्ल्ड यूनिवर्सिटीज, वेब पर उपलब्ध सामग्री की गुणवत्ता एवं मात्रा के आधार पर हुई रैंकिंग

91 वां स्थान लविवि को मिला देश के विश्वविद्यालयों में

2447 वां स्थान वैश्विक स्तर पर

लखनऊ। प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों में लखनऊ यूनिवर्सिटी पहले स्थान पर है। स्पेन की संस्था सीएसआईसी की ओर से जारी वेबोमैट्रिक्स रैंकिंग ऑफ वर्ल्ड यूनिवर्सिटीज में यह दावा किया गया है। लविवि को देश के विश्वविद्यालयों में 91वां स्थान मिला है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर इसे 2447वां स्थान मिला है।

लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि वेबोमैट्रिक्स रैंकिंग वर्ष 2004 में शुरू हुई थी। इसे वर्ष में छह माह के अंतराल पर (जनवरी एवं जुलाई) में अपडेट किया जाता है। यह रैंकिंग प्रणाली शिक्षण-संस्थानों के अपने डोमेन यानी वेब पर उपलब्ध सामग्री की गुणवत्ता एवं मात्रा के आधार पर काम करती है। वर्तमान में सीएसआईसी ने लगभग 200 से अधिक देशों के 30 हजार उच्च शिक्षण-संस्थानों का मूल्यांकन किया है। इसमें अमेरिका की हॉवर्ड यूनिवर्सिटी को पहला स्थान मिला है। उनके अनुसार लविवि के लिए सम्मान की बात है कि इसने अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ इस रैंकिंग सूची में राष्ट्रीय स्तर पर 91वां और वैश्विक स्तर पर 2447वां स्थान प्राप्त किया है। ग्लोबल रैंकिंग डेटा अनुसार यह उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में शीर्ष पर है। आईआईटी बॉम्बे ने विश्व स्तर पर 519वां तथा राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। आईआईटी मद्रास को देश में दूसरा और विश्व में 615, आईआईटी कानपुर को देश में तीसरा और विश्व में 656वां स्थान मिला है। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय को देश में 11वां और विश्व में 1149वां स्थान मिला है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की रैंकिंग देश में 17, विश्व में 1305, इलाहाबाद विवि की देश में 71 विश्व में 2437 तथा बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विवि की रैंकिंग देश में 144 और विश्व में 3304 है।

केंद्रीकृत दाखिले के लिए 20 फीसदी कॉलेजों ने दी सहमति

माई सिटी रिपोर्टर

राजकीय और अनुदानित कॉलेजों ने बनाई दूरी

विश्वविद्यालय की केंद्रीकृत दाखिले की सुविधा सभी कॉलेजों के लिए शुरू की है, लेकिन राजकीय और अनुदानित महाविद्यालयों ने इससे दूरी बनाई है। इसकी वजह उनकी सीट भर जाने के साथ ही केंद्रीकृत काउंसलिंग के लिए ली जाने वाली फीस का बजट न होना भी है। आवेदन करने वाले महाविद्यालय स्व वित्तपोषित प्रणाली के ही हैं।

स्नातक और प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों की मांग

लविवि के पास जो आवेदन आए हैं उनमें ज्यादातर स्नातक और प्रोफेशनल पाठ्यक्रम के लिए ही है। स्नातक स्तर पर बीबीए, बीकॉम ऑनर्स जैसे पाठ्यक्रम के लिए आवेदन किया गया है। हालांकि कई कॉलेजों ने बीए, बीएससी और बीकॉम के दाखिले भी केंद्रीकृत प्रणाली पर करने की मांग की है।

लखनऊ। लखनऊ विवि की केंद्रीकृत दाखिला प्रणाली में शामिल होने के लिए 20 फीसदी सहयुक्त कॉलेजों ने ही सहमति जताई है। लविवि से सहयुक्त 176 कॉलेजों में से 35 ने दाखिले में शामिल होने के लिए लविवि से संपर्क किया है। लविवि ने इस साल से सहयुक्त कॉलेजों को अपनी काउंसलिंग में शामिल होने का विकल्प दिया है। इसके तहत दिल्ली विवि की तर्ज पर केंद्रीकृत दाखिले का खाका खींचा है।

लविवि ने ज्यादातर पाठ्यक्रमों में सीट के मुकाबले कई गुना आवेदन फॉर्म की संख्या को देखते हुए विकल्प तैयार किया है। इस तरह से विद्यार्थियों को एक ही फॉर्म के माध्यम से दाखिला मिल जाएगा और कॉलेजों की सीट भरने में आसानी होगी। इस योजना में शामिल होने के लिए कॉलेजों को आठ जुलाई तक का समय दिया गया था। लविवि इसके लिए सहमति देने वाले कॉलेजों से प्रति पाठ्यक्रम फीस भी लेगा। प्रोफेशनल पाठ्यक्रम के लिए यह फीस एक लाख रुपये तथा सामान्य पाठ्यक्रम के लिये 50 हजार रुपये निर्धारित की गई है। कॉलेज लविवि की प्रवेश प्रणाली पर पूरी तरह आश्रित रहने के बजाय अपने स्तर से भी दाखिले ले सकते हैं। बुधवार शाम तक लविवि के इस विकल्प के लिए करीब 35 कॉलेजों ने अपनी सहमति भेजी है। लविवि इनका परीक्षण करने के बाद काउंसलिंग से पहले इनकी सूची जारी करेगा।

DAINIK JAGRAN Page 3

प्रदेश के विश्वविद्यालयों में लखनऊ विवि नंबर वन

जासं, लखनऊ : लखनऊ यूनिवर्सिटी प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालय में नंबर एक पर है। स्पेन की एक अनुसंधान निकाय ने जारी की वेबोमैट्रिक्स रैंकिंग ऑफ वर्ल्ड यूनिवर्सिटीज में यह बात सामने आई। लविवि का रैंकिंग में राष्ट्रीय स्तर पर 91वां और वैश्विक स्तर पर 2447वां स्थान है।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इस रैंकिंग प्रणाली का शिक्षण-संस्थानों का अपने वेब पर उपलब्ध सामग्री की गुणवत्ता और मात्रा का एक प्रमुख मापदंड होती है। इसका मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालयों व शिक्षण-संस्थानों की वेब पर उपस्थिति को बढ़ावा देने के साथ वैज्ञानिक व सांस्कृतिक ज्ञान का विकास करना भी है। संस्था ने विश्व भर के 200 से अधिक देशों के 30,000 उच्च शिक्षण संस्थानों का मूल्यांकन किया है। इसमें हावर्ड यूनिवर्सिटी को प्रथम स्थान मिला। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (11/1149), अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (17/1305), इलाहाबाद विश्वविद्यालय (71/2437) और बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ (144/3304) ने भी इस रैंकिंग में जगह बनाई है।

स्पेन के अनुसंधान निकाय ने जारी की वेबोमैट्रिक्स रैंकिंग ऑफ वर्ल्ड यूनिवर्सिटीज

NBT Page 1 & 6

एलयू प्रदेश में नंबर वन!

■ **एनबीटी, लखनऊ :** स्पेन के एक अनुसंधान निकाय ने बुधवार को वेबोमैट्रिक्स रैंकिंग ऑफ वर्ल्ड यूनिवर्सिटीज जारी की है। जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय को प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में नंबर वन बताया गया। राष्ट्रीय स्तर पर एलयू का 91वां और वैश्विक स्तर पर 2447वां स्थान है। विवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह रैंकिंग शिक्षण संस्थानों की अपने वेब पर उपलब्ध सामग्री की गुणवत्ता और मात्रा के अनुसार होती है।

बीएड प्रवेश परीक्षा 9 अगस्त को

बीएड प्रवेश परीक्षा अब 29 जुलाई की जगह 9 अगस्त को होगी। यह फैसला बुधवार को हुई बैठक में लिया गया। बैठक में डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा भी मौजूद रहे।

बीएड प्रवेश परीक्षा अब 9 अगस्त को

लखनऊ। बीएड प्रवेश परीक्षा 2020 अब नौ अगस्त को होगी। लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्रवेश परीक्षा की तिथि बढ़ा दी है। कोरोना के मामले और गृह मंत्रालय के दिशा निर्देशों को देखते हुए बुधवार को यह फैसला लिया गया। पहले परीक्षा 29 जुलाई को होनी थी।

HINDUSTAN Page 1 & 6

प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में लखनऊ यूनिवर्सिटी टॉप पर

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालय में टॉप पर है। स्पेन की एक अनुसंधान निकाय ने वेबोमैट्रिक्स रैंकिंग ऑफ वर्ल्ड यूनिवर्सिटीज जारी की जिसमें में यह तस्वीर उभर कर सामने आई है। इस रैंकिंग में लविवि ने राष्ट्रीय स्तर पर 91वां तथा वैश्विक स्तर पर 2447वां स्थान प्राप्त किया है।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह रैंकिंग प्रणाली शिक्षण-संस्थानों का अपने डोमेन अर्थात वेब पर उपलब्ध सामग्री की गुणवत्ता एवं मात्रा का एक प्रमुख मापदंड होता है। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षण-संस्थानों की वेब पर उपस्थिति को बढ़ावा देने के साथ सम्पूर्ण समाज के लिए वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक ज्ञान का विकास करना भी है। इस रैंकिंग में 30,000 उच्च शिक्षण-संस्थानों का मूल्यांकन किया है जिसमें हावर्ड यूनिवर्सिटी को प्रथम स्थान मिला है।

अन्य संस्थानों की स्थिति

- बनारस हिन्दू विवि (11/1149)
- अलीगढ़ मुस्लिम विवि (17/1305)
- इलाहाबाद विवि (71/2437)
- बीबीएयू, लखनऊ (144/3304)

पहली रैंकिंग प्रदेश और दूसरी देश की है।

सीतापुर, रायबरेली, लखीमपुर खीरी, हरदोई के 300 से अधिक कॉलेज होंगे लविवि में शामिल

4 जिलों के छात्रों को मिलेगी एलयू की डिग्री

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

अब सिर्फ लखनऊ ही नहीं बल्कि, सीतापुर, रायबरेली, लखीमपुर खीरी और हरदोई के छात्रों को भी लखनऊ विश्वविद्यालय से जुड़ने का मौका मिलेगा। इसके बाद करीब 2.25 लाख नए छात्र-छात्राओं को अब प्रदेश के इस प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय की डिग्री मिलेगी।

दोगुनी से ज्यादा होगी कॉलेजों की संख्या

लखनऊ विश्वविद्यालय वर्तमान में सिर्फ लखनऊ में ही कॉलेज संचालित करने की सहयुक्तता प्रदान करता है। इस समय लविवि से करीब 170 कॉलेज जुड़े हुए हैं। करीब 1.50 लाख छात्र-छात्राएं यहां अध्ययनरत हैं। चार जिलों के कॉलेज जुड़ने के बाद कॉलेजों की संख्या दोगुने से भी ज्यादा (500 से अधिक) हो जाएगी।

मुख्यमंत्री से सैद्धांतिक सहमति मिली

मुख्यमंत्री के स्तर पर भी चार जिलों से लखनऊ विश्वविद्यालय से जुड़ने पर सैद्धांतिक सहमति बन गई है।

अभी तक यह जिले कानपुर के छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में थे। अब वहां से इन कॉलेजों की सहयुक्तता खत्म हो जाएगी।

इन चारों जिलों में वर्तमान में करीब 364 कॉलेज संचालित किए जा रहे हैं। ऐसे में लखनऊ विश्वविद्यालय से जुड़े कॉलेजों की संख्या दोगुनी से भी ज्यादा हो जाएगी।

इससे लविवि को आर्थिक स्तर पर काफी फायदा होगा और विवि की कई समस्याएं खत्म हो जाएंगी।

शिक्षक संघ ने फैसले का स्वागत किया

लखनऊ विश्वविद्यालय में चार जिले शामिल होने के फैसले का शिक्षक संघ समेत कई छात्र संगठनों ने भी स्वागत किया है।

वर्तमान स्थिति

170 के करीब सहयुक्त कॉलेज हैं इस समय लविवि में

1.5 लाख है वर्तमान समय में विवि के छात्र-छात्राओं की संख्या

02 लाख 25 हजार के करीब कुल छात्र और छात्राएं हैं चार जिलों में

जिले और वहां स्थित कॉलेजों की संख्या

रायबरेली	76
सीतापुर	83
लखीमपुर खीरी	66
हरदोई	137

चार जिले जुड़ने के बाद

सहयुक्त कॉलेज : करीब 532

छात्र संख्या : 3.75 लाख

घाटे से जूझ रहे विवि को मिलेगी राहत

लखनऊ विश्वविद्यालय लगातार आर्थिक संकट से गुजर रहा है। करीब 40 करोड़ का अनुदान सरकार से मिलता है। विश्वविद्यालय में हर साल करीब 40 से 50 करोड़ रुपये का घाटे का बजट पेश किया जाता है। इन जिलों से जुड़ने से आर्थिक मोर्चे पर राहत मिलना तय है।

सरकार के फैसले सराहा

कानपुर का छत्रपति शाहूजी महाराज विवि अच्छा है। लेकिन इसका दायरा बड़ा होने के कारण देखरेख में मुश्किल होती होगी। लखनऊ विवि के कई ऐसे विभाग हैं जिनकी पहचान देश में हैं। सरकार का फैसला सराहनीय है। इससे इन जिलों में पढ़ाई के स्तर में सुधार के साथ परीक्षा की शुचिता में सुधार होगा जो कि छात्रों और विवि दोनों के लिए लाभप्रद है। **प्रो. निशीथ राय,** पूर्व कुलपति, शकुंतला मिश्रा विवि

लविवि पिछले कई वर्षों से आर्थिक संकट से जूझ रहा है। खर्च और सरकार से मिलने वाले अनुदान में काफी अंतर है। छात्रों से मिलने वाला परीक्षा शुल्क विश्वविद्यालय की आय का एक अच्छा माध्यम होता है। ऐसे में नए कॉलेज और छात्रों के जुड़ने से आर्थिक संकट से उबरने में भी काफी मदद मिलेगी। जिससे विवि को बड़ी पैमाने पर राहत मिलेगी। **डॉ. नीरज जैन,** अध्यक्ष, लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ

लखीमपुर खीरी, सीतापुर, रायबरेली, हरदोई के छात्रों को छोटे-छोटे कामों के लिए कानपुर भागना होता था। इसके अलावा, लखनऊ विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश के सबसे पुराने राज्य विश्वविद्यालय में से है। 100 साल का पुराना इतिहास इससे जुड़ा है। यहां से जुड़ना छात्रों के लिए भी गौरव की बात है। इससे छात्र-छात्राओं के अकादमिक स्तर में सुधार की संभावना काफी बढ़ जाएगी। **घनश्याम शाही,** एबीवीपी